# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | मार्च-I-2025 | अंक - 23 | माउण्ट आबू | Rs.-12


# शाश्वत यौगिक खेती न केवल पर्यावरण के अनुकूल बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम भी

**जाहोता-जयपुर(राज.)।** ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा राजस्थान के ग्राम पंचायत जाहोता में शाश्वत यौगिक खेती का मॉडल, महिला सशक्तिकरण की पहल के तहत 'राजऋषि दीदी की रसोई' एवं पोषण वाटिका शुभारम्भ के अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में शाश्वत यौगिक खेती की सराहना करते हुए इसे किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रासायनिक खेती के कारण किसानों को बढ़ती लागत, घटती उपज और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में शाश्वत यौगिक खेती किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर ले जाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है। राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,अध्यक्षा,कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि यह किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रभावी माध्यम भी है। आधुनिक कृषि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित किया है, जिससे कृषि उत्पादों की गुणवत्ता कम हो गई है। ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि हम अपनी परम्परागत खेती की ओर लौटें और जैविक तथा प्राकृतिक तरीकों को अपनाएं। ब्रह्माकुमारीज़,जयपुर उपक्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु सुषमा दीदी ने कहा कि किसान के अथक प्रयास से ही समाज को भोजन प्राप्त होता है, जिससे सम्पूर्ण मानव जाति का जीवन संचालित होता है। इसलिए किसान का सशक्त होना और उसका आत्मनिर्भर बनना अत्यंत आवश्यक है। राजयोगी ब्र.कु. राजू,उपाध्यक्ष,कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती किसानों के लिए एक सुरक्षित, टिकाऊ और लाभकारी कृषि मॉडल है। ब्र.कु. चंद्रेश, प्रोजेक्ट संयोजक, ब्रह्माकुमारीज़, ने शाश्वत यौगिक खेती मॉडल को किसानों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला प्रयास बताया। कार्यक्रम में प्रोफेसर सपना नरूला, निदेशिका, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग ने कहा, यह पहल किसानों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो उन्हें प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित करेगी और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। डॉ. अमित टुटेजा,संस्थापक कनेक्टिंग ड्रीम्स संस्था ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि यह मॉडल न केवल किसानों की आय में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें स्वस्थ और टिकाऊ कृषि की दिशा में अग्रसर करेगा। जैविक कृषि उत्पादक और सामाजिक कार्यकर्ता राजबाला ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती से किसान रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से मुक्त होकर अपनी भूमि की उर्वरता बनाए रख सकते हैं और स्वस्थ उत्पादों का उत्पादन कर सकते हैं। डॉ. पुर्वेश पटेल,रोटरी प्रेसिडेंट,अहमदाबाद ने कहा कि यह पहल केवल किसानों की आय को बढ़ाने में मदद ही नहीं करेगी बल्कि पूरे समाज के लिए एक टिकाऊ और स्वस्थ कृषि पद्धति को बढ़ावा देगी। ग्राम पंचायत जाहोता के सरपंच श्यामप्रताप राठौड़ ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में शाश्वत यौगिक खेती परियोजना को क्षेत्र के किसानों के लिए एक बड़ी पहल बताया। ब्रह्माकुमारीज़ राजावास सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनेहा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। ब्र.कु. चंद्रकला, ब्र.कु संगीता, सिवानी ग्रुप ऑफ कंपनियों के संस्थापक नरेंद्र सिवानी, ब्र.कु. लक्ष्मी सहित 500 से अधिक किसानों, कृषि विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित अतिथियों ने भाग लिया।

- शहर में 'राजऋषि दीदी की रसोई एवं पोषण वाटिका' का हुआ शुभारम्भ
- स्वास्थ्य की दिशा में होगी क्रांतिकारी पहल
- किसानी में बढ़ती लागत और घटती उपज इन समस्याओं का होगा निदान
- इस किसानी से मिट्टी की बढ़ेगी उत्पादक गुणवत्ता

# हमारा शरीर बहुत कीमती इसे न करें नशाखोरी में बर्बाद

**रायपुर-छ.ग.।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय और भारत शासन के नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो के संयुक्त तत्वावधान में आत्मानन्द उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को नशा मुक्ति का सन्देश देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।**

यह आयोजन भारत शासन के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के साथ सम्पन्न एम.ओ.यू. के परिप्रेक्ष्य में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने कहा कि हमारा शरीर एक मन्दिर के समान है जिसमें चैतन्य आत्मा निवास करती है। हमें बीड़ी, सिगरेट और गुटखा आदि खाकर इसे अशुद्ध नहीं करना है। इसे साफ-सुथरा रखना ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान ने हम सबको बिना किसी भेदभाव के बहुत ही कीमती शरीर प्रदान किया है। हमारा एक-एक अंग मूल्यवान है। एक आंकलन के अनुसार सारे अंगों को मिलाकर इसकी कुल कीमत दो सौ करोड़ के आसपास आँकी गई है। इतना मूल्यवान है हमारा शरीर। हृदय तक खून पहुंचाने वाली पतली

सी नस में ब्लाकेज हो जाए तो लाखों रूपया खर्च हो जाता है। किडनी फेल हो जाए तो पच्चीस-तीस लाख तक खर्च हो जाते हैं। इसलिए हमें अपने शरीर की बहुत देखभाल करने की ज़रूरत है। लेकिन कुछ लोग इस शरीर की कद्र करने की बजाय इसमें तम्बाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट आदि का सेवन कर इसे अशुद्ध करते रहते हैं। नशा करके हम अपने ही बहुमूल्य अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं। ब्र.कु. अदिति दीदी ने चिन्ता व्यक्त करते हुए बताया कि आजकल बहुत से युवा संगदोष में आकर अथवा फैशन के नाम पर नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। हमारा देश विश्व में तम्बाकू का तीसरा बड़ा उत्पादक और खपत करने वाला देश बन चुका है जोकि चिन्ताजनक है। सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि प्रतिदिन भारत में 55,000 युवा तम्बाकू खाने की शुरुआत करते हैं जिससे उनके ब्रेन में डोपामीन नामक रसायन बनता है जोकि आनन्द देता है। यही डोपामीन लोगों को नशे का आदि बना देता है। उन्होंने कहा कि ज़्यादातर व्यसनों की शुरुआत किशोरावस्था में होती है। किशोरावस्था कच्ची मिट्टी के समान होती है। इस समय बच्चों को, समाज को दिशा देने वाले महापुरूषों का जीवन पढ़ाने की आवश्यकता होती है। नैतिक शिक्षा उन्हें सही दिशा में कदम बढ़ाने की प्रेरणा देगी। राजयोग मेडिटेशन हमें आत्म बल प्रदान करता है। यह हमें नशामुक्त होने में मदद करता है। इस अवसर पर नाकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरों के अधीक्षक अनिल कुमार ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. सौम्या ने बच्चों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। ब्रह्माकुमारी रश्मि ने बच्चों को नशा नहीं करने की प्रतिज्ञा कराई। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर मनीश कुमार और स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सरोज यादव उपस्थित थी।